UNNAT BHARAT ABHIYAN

Regional Coordinating Institute, Indian Institute of Technology Roorkee

(News Clipping)

दैनिक जागरण
देहरादून/हरिद्वार, 21 सितंबर, 2020

जैविक खेती को जनआंदोलन जरूरी

वेबिनार

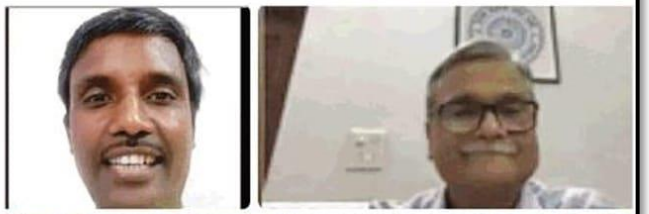

रुड़की आइआइटी में उन्नत भारत अभियान के तहत आयोजित वेबिनार में हिस्सा लेते विशेषज्ञ एवं संस्थान के निदेशक • साभार- आइआइटी

जागरण संवाददाता, रुड़की: जैविक खेती को लेकर प्रयास तो बहुत हो रहे हैं लेकिन जब तक उसमें जन भागीदारी नहीं होगी, तब तक सफलता नहीं मिलेगी। जैविक खेती को एक जन आंदोलन के रूप में लेना होगा। यह बात विशेषज्ञों ने भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रुड़की की ओर से उन्नत भारत अभियान के तहत ग्रामीण विकास में जैविक कृषि एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर आयोजित वेबिनार में कही।

शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित किसान, प्रशिक्षक भारत भूषण त्यागी ने कहा कि जैविक खेती समय की मांग है। भारत में इसके लिए पर्याप्त अवसर है। जरूरत इच्छा शक्ति एवं धैर्य की है। कृषि ग्रामीण भारत का आधार है। यह देश का सबसे बड़ा नियोक्ता है। कृषि आधार को मजबूत बनाने की दिशा में सरकार एवं किसान दोनों को ही ध्यान देना होगा। कृषि क्षेत्र में रोजगार की असीमित संभावनाएं हैं। इससे देश की ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है।

आइआइटी के निदेशक प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि भारत भूषण त्यागी जैविक खेती की दिशा में भारत के प्रयासों के ध्वज वाहक है। वह युवा पीढ़ी के लिए रोल मॉडल है। जिस तरह से उच्च शिक्षित होते हुए भी उन्होंने खेती को चुना एवं देश के अंदर एक नाम हासिल किया। इस मौके पर भारत उन्नत अभियान के समन्वयक प्रो. आशीष पांडे। संस्थान के उप निदेशक प्रो. एम परीदा आदि ने विचार व्यक्त किए।